SECOND TERMINAL EVALUATION 2023 - 24

STD. VIII **HINDI** Answer key

1. वह

2. बदमाशों को आसानी से काबू में किया जा सकता है। बदमाशों को करारा सबक सिखाए।

3. <u>चार</u> सही प्रस्ताव

(क) हमें भीड से अलग होकर अपना रास्ता बनाना है।
(ग) हमें हरेक की बात धैर्यपूर्वक सुननी है।
(ङ) हमें दुख में भी हँसना है।
(च) हमें हर बात को सत्य की कसौटी पर कसना है।

4. आनन

5. साँझ - दुख का प्रतीक है और उषा - सुख का प्रतीक है।

6. अरुण गाँधी आश्रम में रहता है।

7. अरुण गाँधी की डायरी

तारीख : ....

आज मैं पिताजी को एक मीटिंग केलिए कार में शहर ले गया। बताए गए कामों को निपटाकर पाँच बजे उन्हें लेने जाना था। लेकिन फिल्म देखते रहने से उन्हें लेने मैं समय पर वहाँ पहुँच न सका। पिताजी बेसब्री से मेरा इंतज़ार कर रहे थे। उनके पूछने पर मैं झूठ बोला कि कार तैयार नहीं थी, इसलिए देर हो गई। लेकिन पिताजी असलियत जान चुके थे। मेरी झूठ पर प्रायश्चित करते हुए पिताजी ने घर तक की अठारह मील दूरी पैदल चलकर तय किया। मैं उनके पीछे धीमी गति से कार चलाकर घर पहुँचा। इस घटना से दुखी होकर मैंने कभी झूठ न बोलने का निर्णय लिया। आज का यह विशेष दिन मैं कैसे भूलूँ?

8. छोटा

9. कविता‌ंश का आशय

प्रस्तुत पंक्तियाँ प्रमुख कवि बर्तोल्ड ब्रेख्त की डॉक्टर के नाम मज़दूर का पत्र नामक कविता से ली गई हैं। इसमें मज़दूर अपनी बीमारी का कारण डॉक्टर से बताते हैं।

मज़दूर डॉक्टर से बताता है कि अपनी बीमारी का कारण वे जानते हैं। वह एक छोटा-सा शब्द है। उसके बारे में सब जानते हैं, लेकिन कोई नहीं कहता। वह शब्द है गरीबी। यहाँ मज़दूर का कहना है कि उनका जीवन कष्टपूर्ण है। उनके पास आवश्यक भोजन या वस्त्र नहीं है। वास्तव में उनकी बीमारी का कारण गरीबी ही है। यह कहना कोई नहीं चाहता। क्योंकि यह तो स्वाभिमान की बात है।

यहाँ कवि सरल भाषा के प्रयोग से गरीब मज़दूरों का हालत प्रस्तुत करने में सफल हुए हैं। कविता बहुत प्रासंगिक और अच्छी है।

10. खजूर के पेड से

11. पंथी

12. हमें बडे होने पर भी दूसरों का उपकार यानी परोपकार करना चाहिए।

13. परोपकारी

14. जंगल के बीच

15. पोस्टर

जी एच एस एस, कोल्लम
हिंदी क्लब के नेतृत्व में
विश्व स्वास्थ्य दिवस पर
डॉक्टर रमणी अटकुरी का आदर समारोह
7 अप्रैल 2024 को
सुबह 10 बजे
स्कूल सभा भवन में
उद्घाटन - स्वास्थ्य मंत्री, केरल
भाग लें ... लाभ उठाएँ ...
सबका स्वागत

अथवा

बाह्मनी गाँव की चिकित्सा के बारे में डॉ. रमणी अटकुरी का पत्र

स्थान : ....
तारीख...........................

प्रिय सहेली,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । मैं जंगल के बीच बाह्मनी गाँव में हर मंगलवार को चलाते आ रहे क्लीनिक की कुछ खास बातें तुमसे बाँटती हूँ।

बरसात के मौसम होने पर भी मैं अपने साथियों के साथ पैंसठ किलोमीटर यात्रा करके बाह्मनी गाँव पहुँची। क्लीनिक में बहुत भीड हमारी प्रतीक्षा कर रहे थे । चिकित्सा केलिए यहाँ गाँव के बाहर से भी लोग आते थे । अनपढ होने से सब इंजेक्शन पर बहुत विश्वास करते थे । इसलिए उन्हें बहुत समझाना पडता था । भारी वर्षा के कारण हमें जंगल में ही रुकना पडा, भोजन बनाकर खाना पडा । उस दिन हमने लगभग 70 मरीज़ देखे । लगता है यहाँ के लोग हमें बहुत चाहते हैं । मुझे भी जंगल के बीच के यह क्लीनिक बहुत पसंद है ।

वहाँ तुम्हारी क्लीनिक कैसे चल रही है? घरवालों को मेरा पूछताछ कहना। तुम कब यहाँ आओगी ? तब मिलना मत भूलना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारी सहेली
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम,
पता।

16. आकाश में

17. वार्तालाप - सप्तम और माँ के बीच

माँ - कहाँ गए थे ? मैं बहुत परेशान हो गई थी।
सप्तम - धरती पर।
माँ - क्यों ?
सप्तम - आकाश में रहते-रहते मैं ऊब गया।
माँ - धरती कैसे हैं ?
सप्तम - मुझे बहुत पसंद आई। वहाँ के पेड-पौधे, नदियाँ, पहाड, फल-फूल सब बहुत सुंदर है। लेकिन माँ....
माँ - क्या हुआ बेटा ?
सप्तम - वहाँ के अंधकार में मेरा सुंदर रंग दिखाई नहीं दे रहे थे।
माँ - बेटा, आकाश में रहनेवाले तुम धरती पर कैसे रह सकते हो? प्रकृति में हर प्राणी का अपना-अपना जगह है।
सप्तम - वह मुझे समझ गया माँ।

SREEJITH R. KOVOOR, VARKALA, SCRIYS

अथवा

संबंध पहचानें और लिखें, किसने कहा ?

* तुम ज़रूर यहाँ आराम कर सकते हो।	लडका
* तुम मेरी टहनियों में पर नहीं रह सकते।	पेड
* किसी झरने की पानी में इंद्रधनुष कैसे रह सकता है ?	निर्झर
* क्या, मैं तुम्हारे घर में आराम कर सकता हूँ ?	इंद्रधनुष

18. वाक्य पिरामिड

हम भोजन करते हैं।

हम स्वादिष्ट भोजन करते हैं।

हम रात को स्वादिष्ट भोजन करते हैं।

हम रात को साग का स्वादिष्ट भोजन करते हैं।

19. आपके दृष्टिकोण में एक डॉक्टर के गुण क्या-क्या हैं ? टिप्पणी लिखें।

मेरी राय में डॉक्टर को ईमानदार होना चाहिए। अपने पेशे को धन कमाने का उपाय न मानना चाहिए। मरीज़ों के पास जाकर उनकी सेवा-सुश्रूषा करनी चाहिए। मरीज़ों के साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार अपनाना चाहिए। अपने दायित्व को निभाते हुए समाज के लोगों को स्वस्थ रखने के कामों में भाग लेना चाहिए।

अथवा

सही मिलान करें।

डॉक्टर रमणी अटकुरी	क्लीनिक चलाती है।
मनियारी नदी पर	पुल नहीं है।
अंधेरा	गहरा है।
बारिश	मूसलधार है।

-oOo-

SREEJITH R. KUNDOOR, VARKALA, SCRIPS